Achievement of 10 Acid Attack Survivor Women

हरियाणा के हिसार की एसिड अटैक सर्वाइवर **काफी** सीबीएसई कक्षा 12 की परीक्षा में **13 मई 2025** को 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की। सीबीएसई के नतीजों की घोषणा के साथ काफी ने न केवल अपनी कक्षा में टॉप किया है। बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है।

यह रिपोर्ट **वर्ष 2016 से 2025** तक की अवधि में **10 प्रमुख एसिड अटैक सर्वाइवर्स** महिलाओं द्वारा उनके साहस, दृढ़ता और आत्मबल के बल पर हासिल की गई उपलब्धियों पर आधारित है।

क्र.सं	दिनांक & विवरण	चित्र / स्रोत
1.	**3 साल की उम्र में एसिड अटैक से गंवा दी थीं आंखें, अब बनीं टॉपर** **दिनांक:** 14 मई 2025 **स्थान:** हिसार (हरियाणा) **नाम: काफी** (पिता पवन) **घटना:** सिर्फ 3 साल की उम्र में, पारिवारिक विवाद के चलते एक पड़ोसी ने कैफ़ी पर तेज़ाब फेंक दिया था, जिससे उनकी आंखों की रोशनी चली गई। **उपलब्धि:** "काफी ने 13 मई 2025 को घोषित सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। अपनी मेहनत और समर्पण से उन्होंने न केवल खुद को साबित किया, बल्कि लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गईं।काफीका सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) में चयनित होकर समाज की सेवा करने का है	 Indiatv वीडियो
2.	**एसिड अटैक पीड़ितों की आवाज़ बनने के लिए बनी फिल्म** **दिनांक:** 01 अप्रैल 2019 **स्थान:** नई दिल्ली **नाम: लक्ष्मी अग्रवाल** **घटना:** साल 2005 में, 15 वर्ष की उम्र में, उन्हें 32 वर्षीय गुड्डू उर्फ़ नईम ख़ान ने एसिड अटैक का निशाना बनाया, क्योंकि उन्होंने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था। लेकिन उन्होंने जीवन में हार नहीं मानी,इन्होंने एसिड अटैक पीड़ितों के अधिकारों, पुनर्वास और न्याय के लिए आवाज़ उठाई। **उपलब्धियाँ:** ➢ 2014 में अमेरिका की प्रथम महिला मिशेल ओबामा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान पुरस्कार से सम्मानित। ➢ स्टॉप एसिड अटैक अभियान की शुरुआत की। ➢ 2019 में यूनिसेफ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण पुरस्कार प्राप्त। ➢ 2020 में इनके जीवन पर आधारित बॉलीवुड फ़िल्म छपाक रिलीज़ हुई।	 Aajtak
3.	**एसिड अटैक में खोई आंखें, अब जरूरतमंद महिलाओं को बना रही हैं सशक्त** **दिनांक:** 17 अगस्त 2022 **स्थान:** रामनगर (उत्तराखंड) **नाम: कविता बिष्ट** **घटना:**2 फरवरी 2008 को, 19 वर्ष की उम्र में, दिल्ली में कार्य करने के दौरान दो युवकों ने उन पर एसिड अटैक किया, जिसमें उनका पूरा शरीर, चेहरा और दोनों आंखें झुलस गईं। **उपलब्धि:** राज्य महिला सशक्तिकरण की ब्रांड एंबेसडर कविता बिष्ट, रामनगर स्थित 'कविताज होम' में महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई और डिजाइनिंग सिखाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ रही हैं।	 Etvbharat

4.	**एसिड अटैक में सब कुछ गंवाने के बाद बनीं अनाथ बच्चों का सहारा** **दिनांक:** 14 सितम्बर 2023 **स्थान:** बरेली (उत्तर प्रदेश) **नाम: देवांशी यादव** **घटना:** देवांशी यादव पर 14 साल की उम्र में एसिड अटैक हुआ, जिससे उनके शरीर का बायाँ हिस्सा जल गया। 18 साल की उम्र में उन्हें अपने एक पारिवारिक मित्र द्वारा यौन शोषण का सामना करना पड़ा। **उपलब्धि:** देवांशी ने अपने जैसी अन्य पीड़ितों को उनके दर्द और आघात से उबरने में मदद करने के लिए बरेली में 'शहीद रामाश्रय वेलफेयर सोसाइटी' नामक एक गैर-सरकारी संगठन की स्थापना की। वह अनाथ बच्चों का सहारा बनकर शहीद पिता के नाम पर 600 गरीब बच्चों को पढ़ाती हैं, साथ ही उन्हें कॉपी-किताब, राशन, दवाई और इलाज भी उपलब्ध कराती हैं।	 **Zeenews**
5.	**एसिड अटैक सर्वाइवर कर रही हैं 300 महिलाओं की मदद** **दिनांक:** 12 अक्टूबर 2023 **स्थान:** दिल्ली **नाम: शाहीन मलिक** **घटना:** शाहीन की पढ़ाई में उत्कृष्टता के कारण उनके कुछ सहकर्मियों और कॉलेज के 4 छात्रों ने 19 नवंबर 2009 को ईर्ष्यावश उनके चेहरे पर एसिड फेंक दिया। दफ्तर से बाहर निकलते समय यह हमला हुआ, और अस्पताल पहुँचने में देरी के कारण उनका चेहरा 90 प्रतिशत तक जल गया और एक आंख पूरी तरह से खराब हो गई। **उपलब्धियाँ:** शाहीन ने दिल्ली महिला आयोग, स्टॉप अटैक जैसी संस्थाओं के साथ काम किया और 2021 में अपनी खुद की 'ब्रेव सेल्स फाउंडेशन' संस्था की शुरुआत की। इस एनजीओ और इसके आश्रय गृह, 'अपना घर' के माध्यम से, उन्होंने 300 से अधिक एसिड अटैक सर्वाइवर्स को सर्जरी करवाने में मदद की और उन्हें मुआवजा दिलवाकर एक नया जीवन दिया।	 **Herzindagi**
6.	**तेजाब पीड़िता को मिला राष्ट्रपति भवन से न्योता** **दिनांक:** 8 जनवरी 2025 **स्थान:** बोकारो (झारखंड) **नाम: सोनाली मुखर्जी** **घटना:** 22 अप्रैल 2003 को धनबाद में **17 वर्षीय सोनाली** पर तीन युवकों ने तेजाब फेंका, जिससे वह 70% तक झुलस गयी। **उपलब्धि:** सोनाली मुखर्जी ने 2012 में 'कौन बनेगा करोड़पति' के एपिसोड में 25 लाख रुपये जीते। 2014 में झारखंड सरकार ने उन्हें बोकारो समाहरणालय में तृतीय श्रेणी की नौकरी प्रदान की। 2016 में भारत सरकार ने उन्हें '100 वुमेन अचीवर्स ऑफ इंडिया' में शामिल किया और राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के साथ भोज में आमंत्रित किया।	 **Prabhatkhabar**

7.	**शादी के 12 दिन बाद चलती ट्रेन में तेजाब से हमला, अब दूसरों की जिंदगी संवार रही हैं** **दिनांक:** 07 जनवरी 2019 **स्थान:** धनबाद (झारखंड) **नाम: प्रज्ञा प्रसून** **घटना:** 23 साल की प्रज्ञा के पूर्व-प्रेमी ने प्रतिशोध में वाराणसी से दिल्ली जाते समय उनके चेहरे और शरीर पर तेजाब फेंक दिया। इसके बाद प्रज्ञा को 15 सर्जरी करवानी पड़ी, तब जाकर उनके नाक और मुंह खुले। **उपलब्धियाँ:** प्रज्ञा ने अपनी पीड़ा को ताकत में बदलकर तेजाब पीड़ितों के पुनर्वास का बीड़ा उठाया और 200 पीड़ित महिलाओं की सर्जरी करवाई। उन्होंने पीड़ितों को मुफ्त चिकित्सा सहायता, अस्पताल से संपर्क और आर्थिक मदद दिलवाने का कार्य किया। उन्हें राष्ट्रीय और सामाजिक मंचों पर सम्मानित किया गया, और उन्हें "जिंदा मिसाल", "साहसी महिला" और "मानवता की नायिका" जैसे उपाधियाँ दी गईं।	 Patrika
8.	**झुलसे हुए चेहरे ने दुनिया को दिखाई खूबसूरती की एक नई तस्वीर** **दिनांक:** 12 सितंबर 2016 **स्थान:** मुंबई **नाम: रेशमा कुरैशी** **घटना:** 2014 में **17 साल की उम्र में** रेशमा पर लखनऊ में उनके बहनोई और अन्य लोगों ने तेजाब से हमला किया। जिसमें उनका चेहरा बुरी तरह झुलस गया और एक आंख की रोशनी चली गई। **उपलब्धि:** रेश्मा ने 'Make Love Not Scars' संस्था के साथ मिलकर तेजाब हमलों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए एक वीडियो कैंपेन किया। 2018 में उनकी आत्मकथा 'Being Reshma: The Extraordinary Story of an Acid Attack Survivor who Took the World by Storm' प्रकाशित हुई, जिसमें उन्होंने हमले, संघर्ष, मानसिक स्थिति और सफलता की कहानी साझा की। रेशमा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'वीमेन आइकॉन', 'यंग वॉरियर', 'आत्मबल सम्मान' जैसे खिताबों से नवाज़ा गया।	 Aajtak
9.	**एसिड अटैक का सदमा, 49 सर्जरी, मगर फिर मजबूती से आगे बढ़ीं** **दिनांक:** 8 मार्च 2024 **स्थान:** जम्मू-कश्मीर **नाम: शबनम** **घटना:** 2011 में एसिड अटैक के बाद 49 सर्जरी और 3 साल बिस्तर पर बीते,घुटने से ऊपर पैरों का मांस जल चुका था, नसें डैमेज हो गयी। **उपलब्धि:** शबनम ने अपनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद न केवल खुद को फिर से खड़ा किया, बल्कि एसिड अटैक सर्वाइवर्स और अन्य महिलाओं और बच्चों के लिए भी काम करना शुरू किया। वह दिल्ली में एक एनजीओ के साथ जुड़ी हुई हैं, जो महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए काम करता है।	 Navbharattimes

10.	**मजबूत हौसले की मिसाल हैं एसिड अटैक की योद्धा।** **दिनांक:** 05 जुलाई 2024 **स्थान:** उत्तर प्रदेश **नाम: रूपा** **घटना:** रूपा की सौतेली मां ने घरेलू विवाद और नफरत के चलते **15 साल की उम्र में** उनके चेहरे पर एसिड फेंक दिया। **उपलब्धि:** रूपा ने दिल्ली में अपना खुद का बुटीक शुरू किया — 'Rupa Designer'। यह बुटीक सिर्फ कपड़े नहीं बेचता, बल्कि हिम्मत, आत्मविश्वास और उम्मीद की कहानी भी सुनाता है, जहां एसिड अटैक पीड़िताएं काम करके सम्मान के साथ आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं।	 **Gnttv**